B.Ed. Ist year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- (Organisation of Science Clubs)

विज्ञान क्लबों का संगठन

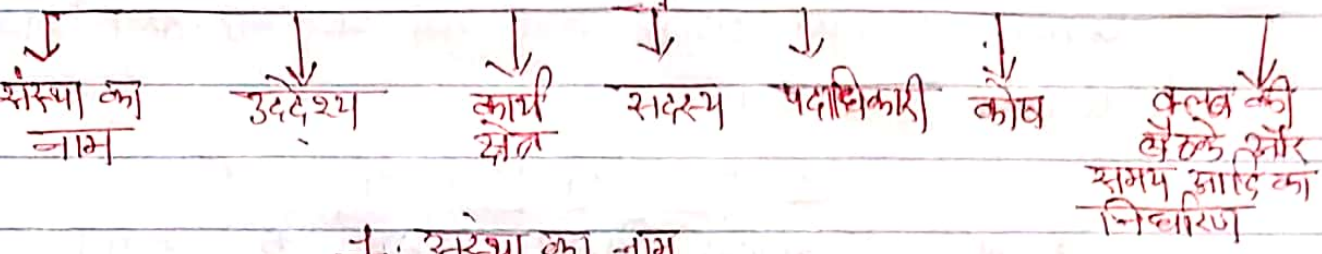

1. संस्था का नाम

स्कूल में स्थापित की गयी संस्था का नामकरण हो जैसे- विज्ञान क्लब, गणित क्लब आदि।

2 उद्देश्य

संस्था या क्लब की स्थापना से पूर्व यह तय करना अति आवश्यक है कि संस्था के उद्देश्य क्या-2 होने चाहिए।

3 कार्यक्षेत्र

इन क्लबों का कार्य क्षेत्र क्या हो अर्थात् इसकी सीमाएँ क्या हो; यह सब भी तय करना पड़ता है। सामान्यतः इन क्लबों का कार्य-क्षेत्र विद्यालय तथा समाज तक ही होता है।

4 सदस्यता

इस पद में यह तय किया जाता है कि इस विज्ञान क्लब का सदस्य कौन बन सकता है। प्रायः स्कूल के विद्यार्थी ही क्लब के सदस्य होते है। क्लब के सदस्यों को निम्न प्रकार से बाटा जाता है

(a) सक्रिय सदस्य (c) जीवन सदस्य
(b) सामान्य सदस्य (d) आदरणीय सदस्य

P.T.O.

Scanned with CamScanner

5 पदाधिकारी

क्लब के कुछ पदाधिकारी भी होते हैं जो निम्न प्रकार है।
1. अध्यक्ष, 2. चेयरमैन, 3. सचिव, 4. कोषाध्यक्ष,
5. पुस्तकालयाध्यक्ष, 6. प्रचार अधिकारी आदि।

6 कोष

क्लब के लिए इकट्ठे किये गये धन का लेखा-जोखा रखना अनिवार्य होता है।

7 क्लब की बैठकें तथा स्थान

क्लब की मीटिंग कितने समय के पश्चात हो, कहां पर तथा कब हो, इसके बारे में निर्देश कौन जारी करे। इत्यादि उत्तरदायित्वों को निर्धारित किया जाना आवश्यक है। इनके बारे में स्पष्ट निर्देश दिये जाने चाहिए।

8. क्रियाएँ

विज्ञान क्लब निम्नलिखित क्रियाएं कर सकता है।
⇒ मीटिंग करना।
⇒ मेले तथा प्रदर्शनियों का आयोजन करना।
⇒ भ्रमणों की व्यवस्था करना।
⇒ संग्रहालय
⇒ वाद-विवाद भाषण तथा निबन्ध आदि प्रतियोगिताएं करवाना।
⇒ बुलेटिन बोर्ड लगवाकर उनका उचित प्रयोग करना।
⇒ वैज्ञानिकों के जीवन व कार्य सम्बन्धी विवरण तैयार करवाना।
⇒ किसी विज्ञान सम्बन्धी प्रक्रिया का प्रकाशन करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ प्रसार-भाषणों की व्यवस्था करना ।
⇒ विज्ञान दिवसो का आयोजन करना ।
⇒ विज्ञान संग्रहालय के लिए वस्तुएँ एकत्रित करना ।
⇒ विज्ञान सम्बन्धी चार्ट, मॉडल निर्माण प्रतियोगिताएँ आयोजित करना ।
⇒ पर्यटन योजनाएँ बनाना ।
⇒ विज्ञान विशेषज्ञो के साथ वार्ताएँ आयोजित करना ।
⇒ स्लाइड्स तथा फिल्म-स्ट्रिप्स का निर्माण करना ।
⇒ विज्ञान उपकरण संरक्षण आदि ।

विज्ञान क्लब किस प्रकार विद्यार्थी तथा शिक्षको के लिए सहायक हो सकते है। इन क्लबो मे उन्ही विद्यार्थी तथा शिक्षको को सम्मिलित किया जाना चाहिए, जो वास्तव मे ही उत्साही हो और विज्ञान विषय के प्रति समर्पित हो । विज्ञान क्लबो को स्कूलो मे लोकप्रिय बनाने के लिए इनका उचित प्रकार से संगठन करना चाहिए तथा इनके लाभो से विद्यार्थियो को अवगत कराना चाहिए।